रंगों की बहार से सजे बाजार, होली की आहट से बढ़ी रौनक

- इलेक्ट्रिक पिचकारियों का बढ़ा क्रेज, परंपरागत पिचकारी भी मौजूद
- बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह

नवभारत न्यूज

इंदौर. रंगों के पर्व होली की आहट के साथ ही शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है. जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आ रहा है, बाजारों में गुलाल, अबीर और रंग-बिरंगी पिचकारियों की दुकानें सज चुकी हैं. मुख्य बाजारों सहित राजवाड़ा, मिल क्षेत्र और छावनी सहित विभिन्न व्यापारिक इलाकों में सुबह से देर शाम तक खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है. बच्चों से लेकर युवाओं और परिवारों तक में त्योहार को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है. बाजारों में कार्टून थीम, टैंक पिचकारी और आधुनिक डिजाइन की पिचकारियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं. इलेक्ट्रिक पिचकारी बच्चों की पहली पसंदइस बार बाजार में इलेक्ट्रिक पिचकारियों का क्रेज कुछ ज्यादा ही देखने को मिल रहा है.

बच्चों को इलेक्ट्रिक पिचकारी पसंद-इंदौर में खरीदारी करने आए हातोद निवासी गोविंद मालवीय ने बताया कि बच्चों को खास तौर पर इलेक्ट्रिक पिचकारी पसंद आ रही है. मैं खासतौर पर बच्चों के लिए इलेक्ट्रिक पिचकारी लेने आया हूं. हालांकि ये थोड़ी महंगी हैं, इसलिए किफायती विकल्प भी देख रहा हूं. इलेक्ट्रिक पिचकारी चलाने में जोर नहीं लगाना पड़ता, जिससे बच्चे आसानी से इसका उपयोग कर सकते हैं. आने वाले दिनों में और बढ़ेगी भीड़-दुकानदारों का कहना है कि अभी होली में कुछ दिन शेष हैं, लेकिन खरीदारी का सिलसिला शुरू हो चुका है. जैसे-जैसे त्योहार करीब आएगा, बाजारों में भीड़ और बढ़ने की संभावना है. शहर के बाजारों में बढ़ती चहल-पहल यह संकेत दे रही है कि रंगों का पर्व दस्तक देने वाला है और इंदौरवासी पूरे उत्साह के साथ इसकी तैयारियों में जुट गए हैं.

25 से 1200 रु. तक की पिचकारियां उपलब्ध

दुकानदार भूपेश बालचंदानी ने बताया कि पिछले दो दिनों से बाजार में अच्छी बिक्री हो रही है. उन्होंने कहा कि इस बार चार्जिंग सेल से चलने वाली इलेक्ट्रिक पिचकारियां ज्यादा पसंद की जा रही हैं, जिन्हें बार-बार इस्तेमाल किया जा सकता है. इसके अलावा ऑटोमेटिक फूलने वाले बलून भी बच्चों में लोकप्रिय हो रहे हैं. उन्होंने बताया कि उनकी दुकान पर 25 रुपए से लेकर 1200 रुपए तक की पिचकारियां उपलब्ध हैं. साथ ही गुलाल उड़ाने के लिए विशेष सिलेंडर भी ग्राहकों द्वारा खरीदे जा रहे हैं. बाहर से व्यापारी भी इंदौर आकर पिचकारी, मास्क, टी-शर्ट और रंगों की खरीदारी कर रहे हैं.

मोदी-योगी थीम की पिचकारियां और मास्क की मांग ज्यादा

व्यापारी प्रेम आहूजा ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी मोदी और योगी थीम के मास्क और टी-शर्ट बाजार में छाए हुए हैं. कई पिचकारियों पर मोदी और योगी के स्टीकर लगे हुए हैं, जो बच्चों और युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं. इसके अलावा बड़े युवाओं के लिए गुलाल उड़ाने वाले बड़े सिलेंडर भी बाजार में उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत 300, 500 और 900 रुपए तक है. इन सिलेंडरों से हवा में दूर तक गुलाल उड़ाया जा सकता है. अलग-अलग वैरायटी के ये उत्पाद इस बार खास आकर्षण बने हुए हैं.

एचपीवी टीकाकरण अभियान हुआ प्रारंभ

- उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने भोपाल से किया अभियान का शुभारंभ

भोपाल, 28 फरवरी. मप्र में डॉ. कैलाशनाथ काटजू हॉस्पिटल भोपाल से अभियान का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया. उन्होंने कहा कि आज का दिन स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक है.

महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरा सबसे सामान्य कैंसर है, जिसकी प्रिवेलेंस दर लगभग 1 लाख में 156 है. एचपीवी वैक्सीनेशन भविष्य में सर्वाइकल कैंसर को नियंत्रित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. बीमारी होने के बाद इलाज करने से बेहतर है कि हम उसे होने ही न दें. यह अभियान प्रिवेंशन केयर की दिशा में एक बड़ा कदम है.

प्रतिदिन होंगे टीकाकरण सत्र

एचपीवी टीकाकरण सत्र प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किए जाएंगे. टीकाकरण स्वैच्छिक है तथा अभिभावकों की सहमति अनिवार्य होगी. पात्रता के तहत वे बालिकाएं शामिल हैं, जिन्होंने अपना 14वां जन्मदिन पूरा कर लिया है लेकिन 15वां नहीं मनाया है, साथ ही अभियान प्रारंभ होने के 90 दिनों के भीतर 15 वर्ष पूर्ण करने वाली बालिकाएं भी पात्र होंगी. समस्त जिलों के लगभग 471 स्वास्थ्य केन्द्रों पर टीकाकरण किया जायेगा.

30 हजार स्क्वॉयर फीट सरकारी जमीन अतिक्रमण से मुक्त

- सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के पास प्रशासन की बड़ी कार्रवाई
- भारी पुलिस बल रहा मौजूद

नवभारत न्यूज़

इन्दौर. जिला प्रशासन और नगर निगम ने सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के पास स्थित रेसिडेंसी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 20 से 30 हजार स्क्वाायर फीट सरकारी जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया. इस दौरान नगर निगम और पुलिस प्रशासन का भारी अमला मौके पर मौजूद रहा.

एसडीएम जगदीश धनगर ने बताया कि सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल परिसर के पास स्थित रेसिडेंसी एरिया की सरकारी जमीन पर अवैध रूप से लगभग 25 से 30 हजार स्क्वायर फीट तक कब्जा कर लिया गया था. उक्त जमीन पर मुसाफिरखाना और मस्जिद के नाम पर अतिक्रमण किया गया था. इस मामले को लेकर तहसील न्यायालय में पिछले दो वर्षों से प्रकरण चल रहा था. न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने का आदेश जारी किया गया था. संबंधित पक्ष द्वारा उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया.

सैकड़ों अधिकारियों और कर्मचारियों की रही तैनाती-पूरी कार्रवाई के दौरान नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और कार्रवाई सुचारु रूप से संपन्न हो सके.

बाउंड्री वॉल, हाल और शेड हटाए गए

अतिक्रमित भूमि पर बाउंड्री वॉल, एक हाल, तीन शेड और दो अतिरिक्त हाल निर्मित किए गए थे. प्रशासन द्वारा कार्रवाई करते हुए बाउंड्री वॉल, हाल और कुछ हिस्सों को हटा दिया गया. शेष बचे अतिक्रमण को हटाने के लिए संबंधित पक्ष को कुछ समय दिया गया है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समयावधि पूरी होने के बाद बाकी बचे अतिक्रमण को भी हटाने की कार्रवाई की जाएगी.

ग्रामीण परिवहन सेवा शीघ्र शुरू होगी : उदय प्रताप सिंह

सागर, 28 फरवरी. मध्यप्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि राज्य के इंदौर से ग्रामीण परिवहन सेवा शीघ्र शुरू होगी. सिंह कल गढ़ाकोटा में तीन दिवसीय आयोजित रहस मेले को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आने वाले समय में 200 नये सांदीपनि विद्यालय शुरू किए जाएंगे, जिसमें 20 करोड़ की लागत से रहली विधानसभा क्षेत्र के शाहपुर में यह विद्यालय शुरू होगा. उन्होंने कहा कि परिवहन सेवा को सुगम एवं सुलभ बनाने के लिए अप्रैल माह से इंदौर से ग्रामीण परिवहन सेवा की शुरुआत होगी, जो धीरे-धीरे पूरे प्रदेश में लागू होगी. मंत्री सिंह ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के पलायन को रोकने का कार्य सरकार द्वारा किया गया है, जिससे अब हमारे सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से अच्छी गुणवत्ता युक्त शिक्षा प्रदान कर रहे हैं. इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि यह रहस मेला बहुउद्देशीय मेला बन गया है,

कमला नेहरू गर्ल्स हॉस्टल से छात्रा निष्कासित

- कमेटी की जांच के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई
- पढ़ाई जारी रखने की अनुमति

नवभारत न्यूज

इंदौर. देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के कमला नेहरू गर्ल्स हॉस्टल में एक छात्रा के व्यवहार को लेकर विवाद सामने आया है. हॉस्टल की पांच छात्राओं की शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने जांच कर संबंधित छात्रा को हॉस्टल से निष्कासित कर दिया है.

शिकायतकर्ता छात्राओं का आरोप है कि संबंधित छात्रा अश्लील किताबें और मोबाइल ऐप पर आपत्तिजनक वीडियो दिखाकर अन्य छात्राओं पर बॉयफ्रेंड बनाने का दबाव डालती थी. रूममेट सहित अन्य छात्राएं लंबे समय से उसके व्यवहार से असहज महसूस कर रही थीं. जब स्थिति असहनीय हो गई तो छात्राओं ने इसकी लिखित और मौखिक शिकायत हॉस्टल वार्डन से की.

वार्डन ने प्रशासन को भेजी विस्तृत रिपोर्ट

हॉस्टल वार्डन ने मामले को गंभीर मानते हुए दोनों पक्षों से प्रारंभिक चर्चा की. शिकायतों की प्रकृति को देखते हुए उन्होंने विस्तृत रिपोर्ट विश्वविद्यालय प्रशासन को भेजी. मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए रजिस्ट्रार प्रांजल खरे ने जांच के लिए एक आंतरिक कमेटी का गठन किया.

जांच कमेटी ने दर्ज किए बयान-कमेटी ने संबंधित छात्रा, शिकायतकर्ता छात्राओं और हॉस्टल वार्डन के बयान दर्ज किए. जांच के दौरान कई छात्राओं ने लिखित रूप से छात्रा के व्यवहार पर आपत्ति जताई और कहा कि इससे हॉस्टल का वातावरण प्रभावित हो रहा था.

पढ़ाई और परीक्षाओं पर नहीं पड़ेगा असर-विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि छात्रा को कॉलेज से निष्कासित नहीं किया गया है. उसे अपनी पढ़ाई जारी रखने और आगामी परीक्षाओं में बैठने की अनुमति दी गई है. कार्रवाई केवल हॉस्टल निवास तक सीमित है और उसके शैक्षणिक अधिकारों पर कोई प्रभाव नहीं डाला गया है.

हॉस्टल से निष्कासन, अभिभावकों को दी सूचना

कमेटी और विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रा को हॉस्टल से निष्कासित करने का निर्णय लिया. उसे हॉस्टल खाली करने के निर्देश दिए गए, जिसके बाद उसने कमरा खाली कर दिया. चीफ वार्डन की ओर से छात्रा के अभिभावकों को भी औपचारिक सूचना भेजी गई. प्रशासन का कहना है कि यह कदम हॉस्टल के अनुशासन, सुरक्षा और अन्य छात्राओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है.

छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि-बताया जा रहा है कि संबंधित छात्रा राज्य के बाहर की रहने वाली है. घटना दो-तीन दिन पुरानी है और मामला सामने आने के अगले ही दिन प्रशासन ने जांच पूरी कर निर्णय लागू कर दिया. विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि छात्राओं के हित और सुरक्षित वातावरण बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है. भविष्य में भी किसी प्रकार की शिकायत मिलने पर नियमानुसार सख्त कदम उठाए जाएंगे.

प्रेम प्रसंग में युवक ने खुद को मारी गोली

- बैतूल का रहने वाला था, मौके पर हुई मौत

उज्जैन. प्रेम प्रसंग के चलते बैतूल के युवक ने उज्जैन आकर खुद को गोली मार ली. युवक की मौके पर ही मौत हो गई. घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही पुलिस बंगाली कॉलोनी पहुंच गई थी.

सीएसपी दीपिका शिंदे ने बताया कि बंगाली कॉलोनी में रहने वाले विनय गायनी के घर में बैतूल के रहने वाले निखिल आहके द्वारा खुद को सीने में गोली मार कर शूट करने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. युवक घर में जमीन पर मृत अवस्था में पड़ा हुआ था. प्रारंभिक जांच के दौरान सामने आया कि युवक बैतूल की ही रहने वाली युवती से प्रेम करता था. युवती कुछ दिन पहले अपने जीजा विनय के यहां आ गई थी और निखिल से बातचीत नहीं कर रही थी. शनिवार शाम को निखिल दो पहिया वाहन पर सवार होकर उज्जैन स्थित बंगाली कॉलोनी अपनी प्रेमिका के जीजा के यहां पहुंचा और सीधे घर में आ गया. उसे दौरान उसकी प्रेमिका और बहन घर में थी. उसने बात करने से इनकार कर दिया. निखिल ने प्रेमिका और उसकी बहन को धक्का देकर अंदर कमरे में बंद कर लिया और खुद को गोली मार ली. सीएसपी के अनुसार युवक अपने साथ पिस्टल लेकर आया था. जो घटना स्थल से मिली है मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया. फिलहाल मामले की जांच की जा रही है. युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है वहीं उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी गई है परिजनों के आने पर रविवार को पोस्टमार्टम कराया जाएगा.

पेज एक का शेष

सरकार और संगठन में कुछ बड़ा होने के संकेत

सिंह के साथ मुलाकात की. इन मुलाकातों का असर आने वाले दिनों में प्रदेश की राजनीति में दिखने की संभावना जताई जा रही है. मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा कितना महत्वपूर्ण था, इसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि शनिवार को कूनो में बोतस्वाना से आए चीतों को खुले बाड़े में छोड़ने का काम केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने अकेले किया. इसमें मुख्यमंत्री डॉ. यादव दिल्ली में व्यस्तता के कारण शामिल नहीं हो सके. इधर दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री शाह से विजयवर्गीय की मुलाकात को सामान्य राजनीतिक मुलाकात नहीं माना जा रहा है. बताया जा रहा है कि संभवत: केंद्रीय नेतृत्व विजयवर्गीय के हाल के बयानों से नाराज है. विजयवर्गीय ने पिछले दिनों विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में भोपाल, इंदौर के मास्टर प्लान नहीं आने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ही जिम्मेदार ठहरा दिया था, वहीं सत्रावसान के समय जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव सदन में नहीं थे, तब भी विजयवर्गीय ने विधानसभा सचिवालय को सरकार के सचिवालय से बेहतर करार देकर एक तरह से सीएम और सरकार पर अप्रत्यक्ष हमला ही किया था. बताया जा रहा है कि ये मामला तेजी से वायरल हुआ और मामले की शिकायत दिल्ली तक की गई. मामला संज्ञान में आने के बाद विजयवर्गीय को शुक्रवार देर रात ही दिल्ली तलब किया गया, उसके बाद आनन-फानन में वे रात को ही दिल्ली रवाना हो गए. वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के एक और कद्दावर मंत्री प्रहलाद पटेल ने भी शाह से अलग से मुलाकात की. इधर सीएम की भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के साथ केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात को भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है. बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार के कामकाज के साथ ही संगठन के कामकाज की जानकारी शाह के साथ साझा की. उनकी इस मुलाकात को आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल में बदलाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है. संभावना जताई जा रही है कि विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद अब इस संबंध में भाजपा हाईकमान से कोई संकेत मिल सकते हैं. यदि ऐसा हुआ तो सीएम और सरकार के लिए समस्या खड़ी करने वालों के साथ ही नॉन परफॉर्मेंस वाले मंत्रियों को बाहर का दरवाजा दिखाया जा सकता है.

मंत्रालय के गलियारे से

कन्हैया लोधी

मंत्रालय में बहस का मुद्दा बन गई छापेमारी

पिछले दिनों मंत्रालय में जीएडी ने छापेमारी की कार्रवाई की. ये कार्रवाई ये देखने के लिए की गई कि समय पर कितने अधिकारी- कर्मचारी काम पर पहुंचें. इस कार्रवाई की भनक किसी को नहीं लगी, ऐसे में ज्यादातर आराम की मुद्रा में ही मंत्रालय पहुंचें. इस कार्रवाई का क्या नतीजा होगा, ये तो आने वाले दिनों में पता चलेगा कि ज्यादातर अमला इस कार्रवाई से नाराज दिख रहा है. तर्क दिया गया कि ये सही है कि समय पर आना चाहिए, लेकिन केवल समय पर आना ही आदर्श कर्मचारी की पहचान नहीं है. काम समय और दक्षता से करना भी उतना ही जरुरी है. अब सरकारी अमले के बीच ये बहस का मुद्दा बन गया है.

मंत्रीजी का फैशन

पिछले दिनों एक राज्य मंत्री का फैशन चर्चा का विषय बन गया. समय कम था और काम ज्यादा, इसलिए सदन की कार्यवाही देर तक चली, इस कारण मंत्रियों को भी देर तक बैठना पड़ा. एक राज्य मंत्री महोदया सदन में एक ही दिन में तीन अलग- अलग पोशाक में दिखीं, सबेरे कुछ और तो दोपहर में कुछ दूसरा और फिर शाम को जब सदन में आगमन हुआ तो फिर उनकी साड़ी का रंग बदला हुआ था. ये भले ही उनके ड्रेसिंग सेंस और निजी पसंद का मामला हो, लेकिन नोटिस करने वालों ने कर ही लिया. यहां बता दें कि ये वही मंत्री महोदया है, जो कि अक्सर ही चर्चा में बनीं रहती हैं.

पूर्व मंत्री ने ठोकी ताल

पिछले दिनों प्रदेश के एक कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री ने चुनाव लड़ने फिर ताल ठोंक दी है. लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर ऐसे समय जब प्रदेश में कोई चुनावी माहौल नहीं है तो साहब ने ताल क्यों ठोंका. ये साहब फिलहाल ट्रेक से उतरे हुए हैं और फिर से ट्रेक पर आने की कोशिश में है. समय कुछ ठीक नहीं चल रहा है. एक चर्चा तो ये भी है कि साहब को दिल्ली में जिम्मेदारी दी जा सकती है. तो क्या इस चर्चा पर विराम लगाने के लिए उन्होंने समय से पहले ये ताल ठोंका है, ये तो आने वाले दिनों में ही पता चल सकेगा.

कुछ गद्गद् तो कुछ मायूस

पिछले दिनों लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक दिनी दौरे पर राजधानी आए, किसान चौपाल के नाम पर राजनीतिक कार्यक्रम हुआ. मंच पूरा ठसाठस भरा हुआ था, उसके बाद भी बहुत ऐसे नेता थे, जो कि राहुल गांधी का सानिध्य पाने के लिए मंच पर जाने के लिए बेचैन थे. इनमें कुछ विधायक भी शामिल थे, कुछ को तो मंच मिला, लेकिन कुछ नीचे ही ताकते रह गए. सानिध्य पाने वाले गदगद नजर आ रहे थे, वहीं वंचितों की मायूसी को साफ पढ़ा जा सकता था.

एक नजर में | सिंहस्थ से पहले पीएम एकता मॉल की सौगात, क्लैडिंग और जीआरसी जाली से सजेगा मॉल का फ्रंट फेस, खरीदारी के साथ गेम जोन, मल्टीप्लेक्स

पीएम एकता मॉल में बिकेगा 36 राज्यों का माल, एमपी होगा मालामाल

उज्जैन. विकास प्राधिकरण के माध्यम से पीएम एकता माल का निर्माण किया जा रहा है जो 75 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है, यहां पर देश के 36 राज्यों के प्रोडक्ट बिकेंगे. आधुनिक युग में भी इसे हेरिटेज लुक दिया जा रहा है, जो देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहेगा, पर्यटक और यात्री यहां पर खरीदारी भी कर सकेंगे. इस माल से होने वाली राजस्व आय से उज्जैन विकास प्राधिकरण समेत मध्य प्रदेश भी आर्थिक तौर पर मालामाल हो जाएगा.

शहर के बीचो-बीच महाकाल मंदिर से कुछ ही दूरी पर आकार ले रहा पीएम एकता मॉल अब केवल एक व्यावसायिक परिसर नहीं, वरन संस्कृति और आधुनिकता का संगम बनने जा रहा है. हरिफाटक मार्ग पर विकसित हो रहा यह भव्य प्रोजेक्ट 6 लाख वर्गफीट क्षेत्र में तैयार किया जा रहा है और जून 2026 तक इसे पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है. सिंहस्थ से पहले यह सौगात देश प्रदेश को समर्पित हो जाएगी.

माल के फ्रंट पर प्लॉस्टर नहीं-इस मॉल की सबसे खास बात इसका हेरिटेज एलिवेशन है. सामने के फ्रंट हिस्से पर पारंपरिक सीमेंट प्लास्टर नहीं किया जाएगा, बल्कि क्लैडिंग और आकर्षक जीआरसी जाली से इसे सजाया जाएगा, जिससे इमारत को शास्त्रीय और सांस्कृतिक रूप दिया जा सके. पीछे और अन्य हिस्सों में प्लास्टर रहेगा, मुख्य मुखौटा पूरी तरह विरासत शैली में तैयार होगा. बाहरी सौंदर्य को और भव्य बनाने के लिए ग्रेनाइट, पत्थर और मार्बल का उपयोग किया जा रहा है.

एकात्मक लोक भी होगा तैयार-खरीदारी के साथ मनोरंजन का भी पूरा इंतजाम रहेगा. परिसर में गेम जोन, मल्टीप्लेक्स, आकर्षक शोरूम, रेस्टोरेंट और फूड कोर्ट विकसित किए जा रहे हैं. एक ऑडिटोरियम 'एकात्म लोक' के नाम से बनाया जा रहा है, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम और आयोजन हो सकेंगे. गार्डन एरिया और कन्वेंशन सेंटर जैसी सुविधाएं भी इसमें शामिल हैं.

देश का पहला मॉल

यह मॉल देश का पहला 'एकता मॉल' बताया जा रहा है, जहां भारत के 36 राज्यों के उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे. 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी अवधारणाओं को प्रोत्साहन देने के लिए विशेष स्पेस निर्धारित किए गए हैं. चौथे तल पर विभिन्न राज्यों के एम्पोरियम होंगे, जहां उनके पारंपरिक वस्त्र, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी *, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60